मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 17 अक्टुबर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	17-10-14	18-10-14	19-10-14	20-10-14	21-10-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	35	35	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	22	21	20	20	21
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	42	35	36	33	30
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	22	21	20	19	17
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	9	8	7	6	5
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व	दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

सरसों की बुवाई हेतु बायो–902, आर.एच.–30, आर.एच–819, टी–59 उन्नत किस्मे हैं।

सरसों को फसल को बीज जनित रोगों से बचाव के लिये 2 ग्राम मैन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें।

जीरे की फसल के लिए खेत तैयार करना शुरू कर दें। खेत को तीन से चार बार हल चला कर पाटा लगा कर समतल बनायें। दीमक व भूमिगत कीड़ो की रोकथाम हेतु अन्तिम जुताई के समय क्यूनालफास 1.5 प्रमिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से मिट्टी में मिलायें।

चारे के संग्रहण पर विशेष रूप से ध्यान दें। नमी के कारण कई विषैले कारकों जैसे एफ्लाटोक्सिन्स के संक्रमण का खतरा रहता है।